the consolidation of, and expansion of facilities in, the existing institutions.

In view of the above, the Government has no proposal to set up any Central University in Kerala.

Open Letters Regarding Corruption in Kendriya Vidyalaya

1367. SHRI GOVINDRAM MIRI:
SHRI SHIV CHARAN SINGH:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some office bearers-cum-teachers serving in Kendriya Vidyalayas had in April 1995 been sacked for writing open letters to the Prime Minister during 1991—95, asking him to order a probe against certain corrupt act;

(b) if so, the details thereof; and

(c) whether the matter has been reviewed in the light of representations made by MPs in this regard, if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) and (b) On the basis of reports in Departmental Enquiries the Kendriya Vidyalaya Sangathan has imposed the major penalty of compulsory retirement on an employee during April, 1995 on charges involving financial irregularities and other acts of unbecoming conduct.

(c) As per the procedure, the employees of Kendriya Vidyalaya Sangathan are entitled to prefer an appeal against the decision of the Disciplinary Authority to the Appellate Authority. As per record, the employees concerned did not prefer any such appeal to the Appellate Authority within the time prescribed.

समाजसेवी संस्थाओं के अध्यक्षों को निःशुल्क रेल यात्रा पास

1368. **प्रो॰ राम बख्श सिंह वर्मा:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विकलांग समाजसेवी संस्थाओं के अध्यक्षों को निःशुल्क रेल यात्रा पास प्रदान किए जाने का कोई प्रावधान है;

(ख) यदि हां, तो क्या भारतीय विकलांग क्रिकेट संघ और प्रादेशिक विकलांग संघों (पूंजी) के अध्यक्षों को भी कोई निःशुल्क रेल यात्रा पास प्रदान किए गए हैं;

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार विकलांग क्रिकेट संघों के लिए भविष्य में निःशुल्क रेल यात्रा पास प्रदान करने हेतु कोई योजना बना रही है; और

(ङ) यदि हां, तो कब तक?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) जी नहीं।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठते।

(घ) जी नहीं।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

प्रदूषण पर नियंत्रण करने हेतु धुआं दूर करने के यंत्र

1369. **श्री रामजीलाल:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि धुआं दूर करने के यंत्र के उपयोग से देश की प्रदूषण समस्या दूर हो जाएगी;

(ख) सरकार द्वारा धुंए के प्रभाव के कारण पर्यावरण और जनता के स्वास्थ्य के संबंध में कितना व्यय किया जा रहा है;

(ग) क्या सरकार को हरियाणा में यमुनानगर से ऐसे यंत्र के बारे में सूचना प्राप्त हुई है; और

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा इसके विस्तार हेतु अब तक दी गई प्रोत्साहन राशि का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं तो इस प्रकार का प्रोत्साहन कब तक दिए जाने की संभावना है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद): (क) सरकार को पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों से होने वाले कई प्रकार के उत्सर्जनों को नियंत्रित करने के लिए केटेलिटिक कन्वर्टरों और धूल कण फिल्टरों के उपयोग के बारे में जानकारी है।